नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

संकाय अनुप्रेरण कार्यक्रम का उदघाटन

शिक्षकों को नयी चुनौतियों के लिए समन्वित दृष्टि रखनी चाहिए - प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल

वर्धा, 24 जून 2019: संपूर्ण मनुष्य का निर्माण करना शिक्षा का लक्ष्य होना चाहिए। नई चुनौतियों का सामना करने के लिए शिक्षकों को समन्वित दृष्टि रखकर शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करना चाहिए। उक्त विचार महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने व्यक्त किए। विश्वविद्यालय में पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत शिक्षा

विद्यापीठ की ओर से 24 जून से 23 जुलाई के बीच आयोजित संकाय अनुप्रेरण कार्यक्रम के उदघाटन समारोह में कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. शुक्ल बोल रहे थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष प्रो. चंद्रभूषण शर्मा, शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. मनोज कुमार, कार्यकारी कुलसचिव प्रो. के. के. सिंह, शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर, आयोजक डॉ. शिरीष पाल सिंह मंचासीन थे। शिक्षा विभाग के सभागार में कार्यक्रम का उदघाटन किया गया। स्वागत वक्तव्य डॉ. गोपाल ठाकुर ने

दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सरिता सिंह ने किया तथा आभार डॉ. सुहासिनी वाजपेयी ने माना।

मुख्य अतिथि प्रो. चंद्रभूषण शर्मा ने कहा कि शिक्षा में नए विचारों को लागू करने की दिशा में शिक्षकों ने हमेशा प्रयासरत रहना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों से आहवान किया कि वे अपनी वाणी और कलम को काम में लाए तथा अपने विचार स्वतंत्र रूप से रखने के लिए आगे

आए। उन्होंने नई शिक्षा नीति का गहराई से अध्ययन करने का आहवान भी किया। प्रो. मनोज कुमार ने कहा कि शिक्षकों को पचास वर्ष के बाद आने वाली परिस्थिति के अनुरूप पाठ्यक्रम बनाने के लिए काम करना चाहिए। ज्ञान को कर्म में परिवर्तीत कर समाजोन्मुख शिक्षा के प्रति अपना दायित्व निभाने की आवश्यकता पर उन्होंने बल दिया। प्रो. के. के. सिंह ने कहा कि विवेक सम्पन्न शिक्षक आज की आवश्यकता है। उन्होंने गुरू की महिमा और सम्मान लौटाने का आहवान उपस्थित शिक्षकों से किया। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र सहित उत्तर प्रदेश, झारखंड,

बिहार, राजस्थान आदि राज्यों से शिक्षक शामिल हुए हैं।

दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी प्रमुखता से उपस्थित थे।